भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1777

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान के धार्मिक स्थलों को बढ़ावा दिया जाना

1777. श्री बृजेन्द्र सिंह ओला:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत झुंझुनू लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्थित शाकंभरी माता (उदयपुरवाटी) और लोहार्गल धार्मिक स्थलों और निर्वाचन क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) उपरोक्त धार्मिक स्थलों के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान कितना बजट आवंटित और व्यय किया गया है;

(ग) सरकार द्वारा झुंझुनू लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को सड़कों सहित विभिन्न अवसंरचनात्मक सुविधाओं से युक्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) सरकार द्वारा राजस्थान के धार्मिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं तथा वर्षवार और जिलावार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से राजस्थान में धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन कर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को पूरा करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक योजनाओं के तहत राजस्थान में धार्मिक स्थलों सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन से संबंधित अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य

सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कुछ परियोजनाओं में अंतिम छोर तक संपर्क मार्ग को भी एक घटक के रूप में शामिल किया जाता है।

स्वदेश दर्शन योजना की कृष्णा परिपथ थीम के तहत पर्यटन मंत्रालय ने 75.80 करोड़ रुपये की लागत वाली 'गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास' नामक परियोजना को स्वीकृति दी। स्वदेश दर्शन योजना के आध्यात्मिक परिपथ थीम के तहत 87.05 करोड़ रुपये की लागत वाली 'चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बांधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामां क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास' नामक परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी।

मंत्रालय ने गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त गंतव्य विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के नाम से नया रूप दिया है। एसडी 2.0 के तहत बूंदी में 17.37 करोड़ रुपये की लागत से 'आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन' परियोजना को स्वीकृति दी गई है।

स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजना के तहत परियोजनाओं को संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से तथा उनसे परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और धन की उपलब्धता की शर्त पर स्वीकृति देने पर विचार किया जाता है।

राजस्थान राज्य के लिए धार्मिक स्थलों के विकास सहित उपरोक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

श्री बृजेन्द्र सिंह ओला द्वारा राजस्थान के धार्मिक स्थलों को बढ़ावा दिया जाना के संबंध में दिनांक 10.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1777 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि करोड़ रु. में**	**जारी की गई/ अधिकृत* राशि करोड़ रु. में**
1.	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01	50.01
2.	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80	73.85
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	आध्यात्मिक परिपथ- 'चुरू (सालासर बालाजी)- जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बांधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामां क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी- चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05	75.03
4.	विरासत परिपथ 2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले की अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) -झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी छावनी)	70.61	66.99

		- नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) में विरासत परिपथ का विकास		

* केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के लिए टीएसए मॉडल के माध्यम से सीएनए को प्राधिकृत की गई राशि शामिल है।

राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	गंतव्य	अनुभव का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
1	बूंदी	आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन	17.37	29-02-2024

राजस्थान राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)
1	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11

राजस्थान राज्य में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों की सहायता नामक योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति तिथि	स्वीकृत राशि (लाख रु. में)	जारी की गई राशि (लाख रु. में)
1	श्री तनोट परिसर, जैसलमेर सेक्टर में सीमा पर्यटन का विकास	बीएसएफ	2022-07-05	1767.66	883.83
2	नवल सागर झील, बूंदी में म्यूजिकल फाउंटेन और वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना	आईटीडीसी	2023-10-04	925.67	92.57

******